मधुबन-5

1. वीर

पाठ-बोध

1. (क) (i) कायर को (ख) (iii) सूरमा (ग) (ii) मानव (घ) (i) विघ्नों को

2. सच है **विपत्ति जब आती है**
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते
क्षण एक नहीं धीरज खोते।
विघ्नों **को गले लगाते हैं,**
काँटों में राह बनाते हैं।

3. (क) मानव जीवन में वीरता और परिश्रम का बहुत महत्त्व है। वीर एवं परिश्रमी व्यक्ति को सूरमा कहते हैं।

(ख) विघ्न-बाधाएँ कायर के सामने ही ठहरती हैं, क्योंकि साहसी व्यक्ति तो अपनी मेहनत और वीरता से उनको ठहरने ही नहीं देता है।

(ग) विपत्ति कायर व्यक्तियों को दहलाती है।

(घ) छात्र स्वयं करें।

(ङ) यह कविता हमें संदेश देती है कि हमें किसी भी विपत्ति को देखकर पीछे नहीं हटना चाहिए। हमें सूरमा की तरह प्रत्येक विघ्न-बाधाओं का सामना करना चाहिए।

4.

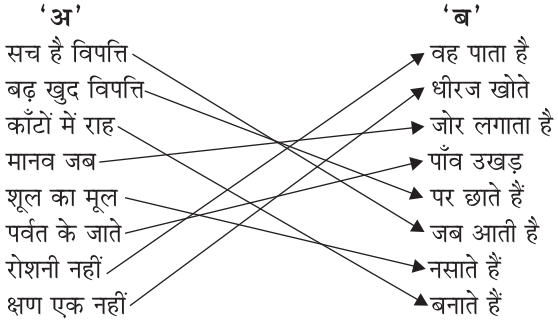

भाषा-बोध

5. (क) वीर व्यक्ति हमेशा खम ठोंकने के लिए तैयार रहते हैं।

(ख) राजू के परिश्रम के आगे पत्थर भी पानी बन गया।

(ग) वीर पुरुष विपत्तियों को गले लगाते हैं।

(घ) राहुल की वीरता के आगे बाधाओं के पैर उखड़ गए।

6. मानव = **मनुष्य, नर** पर्वत = **पहाड़, नग** पत्थर = **प्रस्तर, पाहन**
पानी = **जल, नीर**।

7. सत्य = **असत्य** गुण = **अवगुण** कायर = **वीर** भीतर = **बाहर**
धैर्य = **अधैर्य** उजियाला = **अंधकार** मानव = **दानव** पाना = **खोना**।
8. आती = **दहलाती** जग = **मग** होते = **खोते** लाली = **उजियाली**
लगाते = **बनाते** जलाता = **पाता**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

2. काकी

पाठ-बोध

1. (क) (i) घर में कुहराम मचा हुआ है। (ख) (iii) पत्नी की मृत्यु के कारण
(ग) (ii) श्यामू का साथी (घ) (i) एक चवन्नी, (ङ) (i) जवाहिर से
2. (क) करुण, विलाप (ख) दासी, – राम, सँभालती
(ग) मृत्यु, अनमने– (घ) दासी, भोला, साथी
(ङ) मुखबिर (च) हतबुद्धि, खड़े।
3. (क) जब सवेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर में कुहराम मचा हुआ है।
(ख) श्यामू को बड़े आदमियों ने विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गई है।
(ग) जब लोग उसकी माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे, तब श्यामू ने उन्हें अपनी माँ को उठाने से रोका और कहा कि काकी सो रही है, इसे इस तरह उठाकर कहाँ ले जा रहे हैं? मैं इसे नहीं ले जाने दूँगा।
(घ) आकाश में उड़ती पतंग देखकर श्यामू के मन में यह विचार आया कि वह पतंग को ऊपर राम के यहाँ भेज सकता है, जिसे पकड़कर उसकी काकी नीचे उतर आएगी।
(ङ) श्यामू की पतंग पर 'काकी' लिखा देखकर विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गए।
(च) विश्वेश्वर ने श्यामू को तमाचे जड़े और कान मलने के बाद पतंग फाड़ दी।
4. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✗।
5. [5] प्रफुल्ल मन से श्यामू और भोला पतंग में रस्सी बाँध रहे थे।
[6] विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रहे गए।
[1] लोग जब उसकी माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे, तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया।
[4] मैं यह पतंग ऊपर राम के यहाँ भेजूँगा। इसको पकड़कर काकी नीचे उतरेगी।
[2] काकी के अग्नि-संस्कार में वह नहीं जा सका।
[3] वह प्राय: अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता था।

भाषा-बोध

6. सोचना = **सोचकर** उठाना = **उठाकर** देखना = **देखकर**
सीखना = **सीखकर** कहना = **कहकर**।

7. (क) घर के सब लोग **विलाप कर रहे थे।**
   (ख) श्यामू ने स्टूल पर चढ़कर **कोट की जेब टटोली।**
   (ग) श्यामू को बड़ी रात तक **नींद नहीं आई।**
   (घ) श्यामू और भोला पतंग में **रस्सी बाँध रहे थे।**
   (ङ) विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं **खड़े रह गए।**
8. माँ = **माता, जननी, धात्री** घर = **गृह, भवन, सदन**
   गुरु = **अध्यापक, शिक्षक, आचार्य** भूमि = **धरती, पृथ्वी, वसुधा**
   आकाश = **गगन, आसमान, व्योम**
9. बड़ा = **छोटा** जीवन = **मृत्यु** अग्नि = **जल** बाँधना = **खोलना**
   दासी = **रानी** अच्छी = **बुरी** बुद्धिमान = **बुद्धिहीन** अँधेरा = **उजाला**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

3. वीर शिवाजी

पाठ-बोध

1. (क) (i) जीजाबाई-शाहजी भोंसले
   (ख) (i) बीजापुर के शासक आदिलशाह के दरबार में
   (ग) (iii) उन्नीस वर्ष की
   (घ) (i) दिल्ली का बादशाह
   (ङ) (ii) औरंगजेब ने
2. (क) धार्मिक, ईश्वरभक्त, (ख) न्यायप्रिय राजा (ग) रामदास,
   (घ) उन्नीस, (ङ) बघनखा, (च) टोकरे,
   (छ) रायगढ़, पचास, अनुष्ठान, दक्षिणा।
3. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✗, (च) ✓।
4. (क) शिवाजी का जन्म पूना के शिवनेर दुर्ग में सन् 1627 में हुआ था।
   (ख) शिवाजी की माता का नाम जीजाबाई और पिता का नाम शाहजी था। दादा कोणदेव और सन्त रामदास उनके गुरु थे।
   (ग) शिवाजी ने बघनखा घुसेड़कर अफजल खाँ का काम तमाम कर दिया।
   (घ) एक बार शिवाजी बारात के रूप में पूना में घुस गए। उन्होंने राजमहल पर आक्रमण कर दिया। शाइस्ता खाँ अपनी अँगुलियाँ कटवाकर भाग गया, किन्तु उसके दोनों पुत्रों को मराठों ने तलवार से मार दिया और इस तरह शाइस्ता खाँ परास्त हो गया।
   (ङ) जब शिवाजी को औरंगजेब ने बन्दी बना लिया था तो शिवाजी जेल में बीमारी का बहाना बनाकर एक टोकरे में बैठकर औरंगजेब के चंगुल से मुक्त हो गए।
   (च) शिवाजी का देहावसान 3 अप्रैल, 1680 को हुआ।

5.

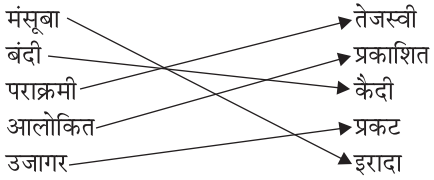

‘अ’	**‘ब’**
मंसूबा	तेजस्वी
बंदी	प्रकाशित
पराक्रमी	कैदी
आलोकित	प्रकट
उजागर	इरादा

भाषा-बोध

6. **विशेषण**—(क) धार्मिक, (ख) महापराक्रमी, (ग) उच्च, (घ) विशाल, (ङ) कच्ची।

विशेष्य—(क) महिला, (ख) पुरुष, (ग) पदाधिकारी, (घ) सेना, (ङ) गोलियाँ।

7. शोर्य = **शौर्य** दशिणा = **दक्षिणा** पराकर्मी = **पराक्रमी**

अनुस्ठान = **अनुष्ठान** राज्यभिषेक = **राज्याभिषेक** वीरागंना = **वीरांगना**

8. सन्धि-प्रस्ताव = **सन्धि का प्रस्ताव** व्यूह-रचना = **व्यूह की रचना**

शास्त्र-विधि = **शास्त्रों की विधि** यश-सुगन्ध = **यश की सुगन्ध**

9. (क) **नीचा-दिखाना** = अपमानित करना -
बीजापुर का नवाब शिवाजी को **नीचा दिखाना** चाहता था।

(ख) **कच्ची गोलियाँ न खेलना** = कमजोर न होना-
शिवाजी ने **कच्ची गोलियाँ नहीं खेली** हैं कि वह अफजल से हार जाए।

(ग) **काम तमाम करना** = मार देना-
शिवाजी ने बघनखा घुसेड़कर अफजल का **काम तमाम कर** दिया।

(घ) **धाक जमाना** = प्रसिद्ध होना-
शिवाजी की वीरता ने पूना पर अपनी **धाक जमा** ली।

(ङ) **सूर्य अस्त होना** = मर जाना-
3 अप्रैल, 1680 को शिवाजी नाम का **सूर्य अस्त** हो गया।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

4. कागज का आत्मवृत्त

पाठ-बोध

1. (क) (ii) साइलून (ख) (ii) पेपीरस (ग) (i) पेड़ों से (घ) (ii) पेपर मिल (ङ) (i) पेपर।

2. (क) क्वालिटी, (ख) पेपीरस, (ग) पेपीरस, पेपर (घ) सेलुलोस, (ङ) छापेखाने, आजकल, (च) संसार, समस्याएँ, (छ) दुरुपयोग, (ज) जागरूक।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓।

4. (क) पहले लोग पेड़ के पत्तों, लकड़ी, छाल, चमड़ा, ईंट आदि पर लिखते थे।

(ख) कागज का आविष्कार साइलून नाम के व्यक्ति ने किया। वह चीन का निवासी था।

(ग) कागज को सेलुलोस नामक रेशों से बनाया जाता है।

(घ) कागज को बनाने के लिए सबसे पहले लकड़ी को काटा और छीला जाता है, फिर उसमें पानी मिलाकर आग पर पकाया जाता है। इस प्रकार लुगदी बन जाती है। इस लुगदी को तार की जाली से छाना जाता है और फिर पानी निकली इस लुगदी को दबाकर कागज की परत बनाई जाती है।

(ङ) स्वयं के विषय में किए गए वर्णन को आत्मवृत्त कहते हैं।

5.

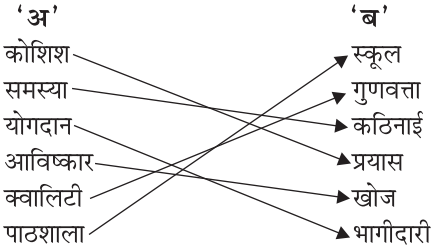

भाषा-बोध

6. निवास = **निवासी** पत्ता = **पत्ती** जाल = **जाली** थैला = **थैली**
पश्चिम = **पश्चिमी** डिब्बा = **डिब्बी** दिखा = **दिखाई** पान = **पानी**
अच्छा = **अच्छी** रह = **रही**।

7. वृक्ष = **पेड़, विटप** समस्या = **परेशानी, दिक्कत** उन्नति = **प्रगति, वृद्धि**
क्षेत्र = **भूमि, हलका** गुर = **नुस्खा, विधि**।

8. सुरक्षित = **असुरक्षित** काटना = **जोड़ना** कठिन = **सरल**
विशेष = **सामान्य** सफेद = **रंगीन** मोटा = **पतला**
एक = **अनेक** खुशी = **गम** समस्या = **समाधान**
उपयोग = **दुरुपयोग** माँग = **पूर्ति** जाना = **आना**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

5. नीति-वचन

पाठ-बोध

1. (क) (iii) विद्या (ख) (i) दौड़कर (ग) (ii) काल की
(घ) (iv) प्रेमरूपी धागे के (ङ) (i) क्षमा को

2. (क) कहि रहीम **सम्पति** सगे, बनत **बहुत** बहु **रीति**।
विपति-कसौटी जे कसे, ते ही साँचे **मीत**।।

(ख) जहाँ **ज्ञान** तहाँ **धर्म** है, जहाँ **झूठ** तहाँ **पाप**।
जहाँ **लोभ** तहाँ **काल** है, जहाँ **छिमा** तहाँ **आप**।।

(ग) रहिमन धागा **प्रेम** का, मत **तोरो** चटकाय।
टूटे पै फिर ना जुरै, जुरै **गाँठ** परिजाय।।

3. (क) कवि कहता है कि व्यक्ति जैसी संगति में बैठता है उसका व्यवहार उसी तरह का हो जाता है।
(ख) बिना परिश्रम किए विद्या-धन किसी को नहीं मिलता है।
(ग) हमारी विपत्ति में जो हमारे साथ होता है वही हमारा सच्चा मित्र है।

4. (क) विद्या-धन की प्राप्ति के लिए परिश्रम करना परमावश्यक है।
(ख) कवि के अनुसार भेदभाव करने वाले लोगों से नहीं मिलना चाहिए।
(ग) कवि के द्वारा मन के अनुसार न चलने की सलाह दी गई है।
(घ) कवि ने संगति का प्रभाव बताया है कि कोई भी व्यक्ति जैसी संगति में बैठता है, उसका उसी तरह का व्यवहार हो जाता है।
(ङ) विपत्ति के समय हमारे साथ रहने वाला ही हमारा सच्चा मित्र है।

5.

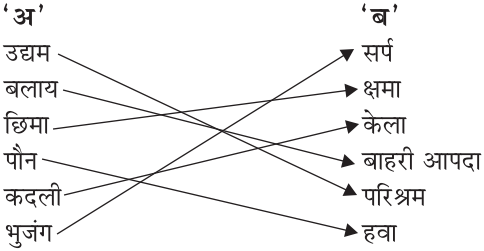

भाषा-बोध

6. छात्र स्वयं पढें।

7. **उद्यम** = उ + द् + य् + अ + म् + अ **डुलाए** = ड् + उ + ल् + आ + ए
कृष्ण = क् + र् + ष् + ण् + अ **सुदामा** = स् + उ + द् + आ + म् + आ
संगति = स् + अं + ग् + अ + त् + इ **सम्पति** = स् + म् + प् + अ + त् + इ
रहिमन = र् + ह् + इ + म् + अ + न् + अ
कदली = क् + अ + द् + अ + ल् + ई
स्वाति = स् + व् + आ + त् + ई।

8. कौन = **पौन** पाप = **आप** धाय = **बलाय**
अनेक = **एक** रीति = **मीत** तीन= **दीन**।

ज्ञान-बोध

❖ कवि ने अपनी रचना में सुदामा और कृष्ण के मिलने की घटना का वर्णन किया है। इस घटना के अन्तर्गत गरीब सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण से सहायता माँगने के लिए संकोच करते हुए उनके महल में जाते हैं, परन्तु सुदामा उनसे कुछ कह नहीं पाते। सुदामा के कुछ न कहने के बावजूद भी श्रीकृष्ण उनके आने का कारण समझ जाते हैं और उनकी हर प्रकार से मदद करते हैं। दोनों मित्र एक-दूसरे से मिलकर बहुत प्रसन्न होते हैं। ❑

6. कंप्यूटर का आविष्कार

पाठ-बोध

1. (क) (i) वैज्ञानिक युग (ख) (iii) चार्ल्स बैबेज

(ग) (ii) कंप्यूटर (घ) (iv) पेन

(ङ) (i) कंप्यूटरीकृत मानव।

2. (क) ✗, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓।

3. (क) वैज्ञानिक, (ख) सी०पी०यू०

(ग) गोद, लैपटॉप (घ) कंप्यूटर, ड़िजाइनिंग

(ङ) रेल, वायु, (च) चिकित्सा, कंप्यूटर

(छ) आँकड़ों, आदेशों।

4. (क) कंप्यूटर मनुष्य द्वारा बनाई गई एक ऐसी अनोखी मशीन है जिसमें तरह-तरह की सूचनाएँ और जानकारियाँ एकत्र करके रखीं जा सकती हैं। आवश्यकता पड़ने पर क्षणभर में कोई भी सूचना प्राप्त की जा सकती है। यह मशीन बिजली से चलती है।

(ख) कम्प्यूटर ने मनुष्य को असीमित शक्ति का स्वामी बना दिया है; जैसे—शिक्षा, व्यवसाय, संगीत, चिकित्सा, विज्ञान के क्षेत्र में कंप्यूटर मानव की मदद करता है।

(ग) कंप्यूटर के माध्यम से तरह-तरह के खेल विकसित किए गए हैं, जिन्हें वीडियो गेम्स कहते हैं। बच्चे इन खेलों से मनोरंजन करते हैं।

(घ) आज का युग वैज्ञानिक युग कहलाता है।

(ङ) सामान्य कंप्यूटर में अनेक उपकरण जुडे होते हैं; जैसे—सी०पी०यू०, माउस, की-बोर्ड आदि, जबकि लैपटॉप में इनकी आवश्यकता नहीं पड़ती और लैपटॉप का प्रयोग हम अपनी गोद में रखकर भी कर सकते हैं।

5.

'अ'	**'ब'**
अछूता	आकाश-मंडल
व्यवसाय	आँकड़े
दिमाग	मस्तिष्क
हलचल	व्यापार
डाटा	खलबली
खगोल	कोरा

भाषा-बोध

6. **स्वामी** = मनुष्य असीमित शक्ति का **स्वामी** बन गया है।
मस्तिष्क = कंप्यूटर के **मस्तिष्क** को सी०पी०यू० कहते हैं।
शरीर = कंप्यूटर द्वारा रोगियों के **शरीर** की जाँच की जाती है।
बिल्कुल = मशीनी मस्तिष्क, मानव मस्तिष्क जैसा **बिल्कुल** नहीं बन सकता है।

7.

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
असीमित	**शक्ति**	**कम**	**शक्तिशाली**
तीव्र	**गति**	**छोटे**	**कंप्यूटर**
अनोखी	**मशीन**	**भीतरी**	**अंग**
सरल	यन्त्र	**वैज्ञानिक**	**युग**

8. सुन्दर + **ता** = **सुन्दरता** आवश्यक + **ता** = **आवश्यकता**

सरल + **ता** = **सरलता**
बल + **शाली** = **बलशाली**
फूल + **दान** = **फूलदान**
पान + **दान** = **पानदान**
सहाय + **ता** = **सहायता**
समृद्धि + **शाली** = **समृद्धिशाली**
खान + **दान** = **खानदान**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

7. जनसंख्या की समस्या

पाठ-बोध

1. (क) (iii) श्री चन्द्रकान्त शर्मा (ख) (iii) 9
(ग) (ii) उनकी पुत्री के विवाह में सम्मिलित होने के लिए।
(घ) (ii) शारीरिक अस्वस्थता का
(ङ) (iv) 133 करोड़ के

2. (क) ठुँसे, (ख) सात, (ग) जनसंख्या, (घ) बेरोजगार,
(ङ) स्कूलों

3. (क) लेखक को रेलवे-आरक्षण इसलिए नहीं मिला, क्योंकि अधिक भीड़ होने के कारण गाड़ी में स्थान नहीं था।
(ख) मित्र की पत्नी शारीरिक रूप से अस्वस्थ थीं।
(ग) लेखक रेल में धक्के खाते हुए इसलिए गया, क्योंकि उसे रेलवे-आरक्षण नहीं मिला था।
(घ) मित्र का छोटा मकान देखकर लेखक का मन घुटने लगा।
(ङ) मित्र के बेटे को राशन नहीं मिला था। वहाँ बहुत लम्बी लाइन लगी थी, जब तक उसका नम्बर आया तो राशन खत्म हो चुका था।
(च) देश की उन्नति और प्रगति के लिए जनसंख्या पर अंकुश लगाना आवश्यक है।
(छ) जनसंख्या वृद्धि के कारण रेलों व बसों में भीड़, रहने के स्थान का अभाव, चिकित्सा सुविधाओं का अभाव तथा राशन की कमी आदि समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

4. (क) मित्र की पत्नी ने, लेखक से। (ख) लेखक ने खुद सोचा।
(ग) लेखक ने, मित्र के बड़े लड़के से। (घ) मित्र ने, लेखक से।

भाषा-बोध

5. रेलगाड़ी = **रेलगाड़ियाँ** कमरा = **कमरे**
दवाई = **दवाइयाँ** नौकरी = **नौकरियाँ**
बेटा = **बेटे** वस्तु = **वस्तुएँ**
चेहरा = **चेहरे** लाइन = **लाइनें**।

6. पत्नी = **पति** लड़का = **लड़की** पुत्र = **पुत्री** भाभी = **भाई**

7. (क) **क्रोध से लाल होना** = अत्यधिक गुस्सा होना—मित्र का छोटा बेटा क्रोध से लाल हो रहा था।
   (ख) **दम घुटना** = साँस लेने में कष्ट होना—छोटा-सा मकान देखकर लेखक का **दम घुटने** लगा।
   (ग) **प्रवेश न मिलना**= दाखिला नहीं मिलना—अधिक जनसंख्या के कारण बच्चों को विद्यालय में **प्रवेश नहीं मिला**।
   (घ) **धक्के खाना** = मारा-मारा फिरना या परेशान होना—बड़ा बेटा तीन साल से नौकरी के लिए धक्के खा रहा था।
8. (क) चन्द्रकान्त शर्मा—व्यक्तिवाचक संज्ञा; मित्र—व्यक्तिवाचक संज्ञा।
   (ख) डॉक्टर—व्यक्तिवाचक संज्ञा; अस्पताल—स्थानवाचक संज्ञा।
   (ग) मुम्बई—स्थानवाचक संज्ञा; रेलवे स्टेशन—स्थानवाचक संज्ञा।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

❖ छात्र स्वयं पढ़ें। ❑

8. बड़े भाई साहब

पाठ-बोध

1. (क) (i) प्रेमचंद (ख) (iii) पाँच वर्ष का (ग) (i) खेलकूद
   (घ) (ii) अपने से बड़ों का (ङ) (ii) दो बार।
2. (क) पाँच साल, (ख) अवहेलना (ग) आत्मसम्मान,(घ) नर्म, (ङ) नत-मस्तक।
3. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓, (च) ✗, (छ) ✓।
4. 'अ' 'ब'

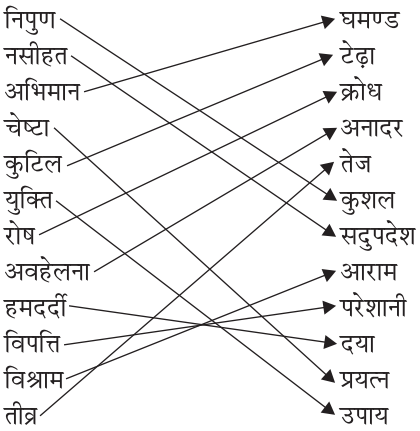

5. (क) बड़े भाई साहब स्वभाव से अध्ययनशील थे। वे हरदम किताब खोलकर बैठे रहते थे।

(ख) वक्ता मौका पाते ही हॉस्टल से निकलकर मैदान में आ जाते थे।

(ग) वक्ता अपने बनाए टाइम-टेबिल पर अमल इसलिए नहीं कर पाते थे, क्योंकि मैदान की सुखद हरियाली, हवा के हल्के-हल्के झोंके, फुटबाल की उछलकूद, कबड्डी के दाँव-घात, वालीबाल की तेजी और फुर्ती वक्ता को अपनी ओर खींच ले जाती थी और वह सबकुछ भूल जाता था।

(घ) वक्ता को कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था।

(ङ) एक दिन संध्या के समय वक्ता कनकौआ लूटने के लिए बेतहाशा दौड़ा जा रहा था। उसकी मुठभेड़ बड़े भाई से हो गई। उसके बाद बड़े भाई के उपदेश सुनकर वक्ता का मन श्रद्धा से भर गया।

भाषा-बोध

6. 55 = **पचपन** 78 = **अठहत्तर**
57 = **सत्तावन** 33 = **तैंतीस**
97 = **सत्तानवें** 23 = **तेईस**
69 = **उनहत्तर** 18 = **अट्ठारह**

7. **प्राण सूख जाना** = बहुत डर जाना—
भाई को गुस्से में देखकर उसके **प्राण सूख** गए।
घाव पर नमक छिड़कना = दु:खी व्यक्ति को और अधिक दु:ख देना—बड़े भाई इतने उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर **नमक छिड़कने** का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा।
अन्धे के हाथ बटेर लगना = बिना प्रयास कोई चीज पा लेना—छोटा भाई बिना मेहनत किए कक्षा में प्रथम आ गया, ये तो वही बात हुई कि **अन्धे के हाथ बटेर लग गई।**
लोहे के चने चबाना = कठिन काम करना—इतने कम समय की तैयारी में परीक्षा में प्रथम स्थान लाना **लोहे के चने चबाना** जैसा है।
आटे-दाल का भाव मालूम होना = कठिनाइयों का ज्ञान होना—तुम्हारे ऊपर जब जिम्मेदारियाँ आएँगीं तब तुम्हें **आटे-दाल का भाव मालूम होगा।**
पापड़ बेलना= कड़ी मेहनत करना—पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी के लिए सबको **पापड़ बेलने** पड़ते हैं।

8. **शेर** = सिंह = निशान्त शेर को देखकर डर गया।
कवि ने महफिल में शेर सुनाकर सबको प्रसन्न कर दिया।
अर्थ = धन = विद्यार्थी ने अध्यापक से श्लोक का अर्थ पूछा।
ब्रिजेश के पास गरीब साधु को देने के लिए धन (अर्थ) नहीं है।
मगर = लेकिन = मगर को गहरे पानी में रहना अच्छा लगता है।
बच्चा भूखा था, मगर घर में खाने को नहीं था।
पास = समीप = रामू का घर नदी के पास है।
वह हाईस्कूल की परीक्षा में पास हो गया।

मन = भार की एक इकाई (मन) = राहुल का मन आजकल पढ़ाई में नहीं लगता है।
दुकानदार ने ग्राहक को दो मन गेहूँ दिए।

9. जिसका कोई इलाज न हो = **असाध्य** सुख देने वाली = **सुखदायी**
वर्ष में एक बार होने वाला = **वार्षिक** जो कार्य जरूरी है = **अनिवार्य**।

10. निराश = **आशावान** संध्या = **सुबह**
आसान = **मुश्किल** समीप = **दूर**
उदय = **अस्त** लघुता = **बड़प्पन**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

9. वीरों की पूजा

पाठ-बोध

1. (क) (i) पीले रंग का, (ख) (iv) ये सभी (ग) (ii) चित्तौड़
(घ) (iii) जब उन्होंने अपने स्वतन्त्र दुर्ग पर शत्रु की आवाज सुनी।
(ङ) (i) सतियों की।

2. मुझे न जाना **गंगासागर,**
मुझे न **रामेश्वर**, काशी,
तीर्थराज चित्तौड़ देखने,
को मेरी **आँखें** प्यासी।

3. (क) जहाँ जवानों की टोली देश हित के लिए तलवारें लेकर निकल पड़ी।
(ख) सुन्दरियों ने जहाँ देश के लिए बलिदान तथा आत्मसम्मान के लिए आग में कूदना उचित समझा।
(ग) तीर्थों के राजा चित्तौड़ को देखने के लिए मेरी आँखें प्यासी और व्याकुल हैं।
(घ) वहीं पर पूजा करने और सतियों के पैरों की धूल लेने जा रहा हूँ।

4.

'अ'	'ब'
पथ	रास्ता
दुर्ग	किला
गर्वित	अभिमानी
बैरी	दुश्मन
पावन	पवित्र
पीताम्बर	पीला वस्त्र
अचल	स्थिर

5. (क) कवि ने तीर्थराज चित्तौड़ को बताया है, क्योंकि वहाँ के वीर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने अपने देश व राज्य की स्वतन्त्रता के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया था।

(ख) अपने अचल स्वतन्त्र किले पर दुश्मनों के आक्रमण को रोकने के लिए जवानों की टोली तलवारें लेकर निकल पड़ी।

(ग) मतवाला युवक थाल सजाकर मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को पूजने चले हैं।

(घ) वीर मण्डली गर्वित स्वर से मातृभूमि की जय-जयकार कर रही है।

(ङ) बालक स्वतन्त्रता के लिए प्राणों का भी बलिदान करने से पीछे नहीं हटे हैं।

भाषा-बोध

6. मतवाले = **डाले** भूल = **फूल**
संन्यासी = **काशी** टोली = **होली**

7. (क) मत + वाला = **मतवाला** रख + वाला = **रखवाला**
घर + वाला = **घरवाला** गाड़ी + वाला = **गाड़ीवाला**
(ख) संन्यास + ई = **संन्यासी** प्यास + ई = **प्यासी**
मस्त + ई = **मस्ती** बोल + ई = **बोली**।

8. (क) पीताम्बर = **पीत + अम्बर = (अ + अ = आ)**
स्वाधीन = **स्व + अधीन = (अ + अ = आ)**
परमार्थ = **परम + अर्थ = (अ + अ = आ)**।
(ख) रामेश्वर = **राम + ईश्वर = (अ + ई = ए)**
गणेश = **गण + ईश = (अ + ई = ए)**
दिनेश = **दिन + ईश = (अ + ई = ए)**।

9. प्रात: = **सायं** अचल = **विचल** बैरी = **सखा**
जवान = **बूढ़ा** हित = **अहित** स्वतन्त्रता = **परतन्त्रता**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

10. सच्चा मित्र-प्रेम

पाठ-बोध

1. (क) (iv) उपरोक्त सभी (ख) (iii) (i) व (ii) दोनों
(ग) (i) दु:खी थे।
(घ) (iii) कृष्ण एक मुट्ठी चावल खाकर एक लोक का धन दे चुके थे।
(ङ) (iv) एक लोक का धन

2. (क) ने, को, से, (ख) ने, (ग) ने, में, (घ) की, की, से ने।

3. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓, (च) ✗, (छ) ✓।

4. (क) श्रीकृष्ण द्वारिका के राजा थे।

(ख) द्वारपाल ने महाराज से कहा, राजन! द्वार पर एक गरीब ब्राह्मण आया है। वह आपसे मिलने की जिद कर रहा है।

(ग) सुदामा कृष्ण के लिए भुने चावल लेकर आए थे। तुच्छ भेंट होने के कारण वे उसे छिपा रहे थे।

(घ) प्रस्थान करने से पहले सुदामा बहुत डर रहे थे कि श्रीकृष्ण उन्हें पहचान पाएँगे या नहीं; क्योंकि निर्धन मित्र को अक्सर लोग भूल जाते हैं।

(ङ) कृष्ण ने बिन माँगे ही एक लोक का धन अपने मित्र को दे दिया।

भाषा-बोध

5. (क) म्म = निकम्मा, अम्मा न्न = भिन्न, गन्ना

(ख) न्य = शून्य, न्याय ट्ठ = इकट्ठा, मट्ठा

6. सिर = **शिर** आँख = **अक्षि**

पाँव = **पद** दरवाजा = **द्वार**

मुँह = **मुख** सीख = **शिक्षा**

आँसू = **अश्रु** दिन = **दिवस**

हाथ = **हस्त** मुट्ठी = **मुष्टि**

7. वह, उसके, तुम, मैं, जिसके, तुमसे, तुमने, मेरा, उन्होंने, उनसे।

8. (क) एक **निर्धन** ब्राह्मण द्वार पर खड़ा है।

(ख) अहा! कितने **स्वादिष्ट** चावल हैं!

(ग) सुदामा मित्र के लिए एक **मुट्ठी** चावल लाए।

(घ) मेरा घर तो **बहुत पुराना,** टूटा-फूटा है।

(ङ) सुदामा **धनवान** हो गए।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

11. माँ की आज्ञा

पाठ-बोध

1. (क) (iii) संस्कारी (ख) (ii) गुरु गोरखनाथ (ग) (ii) तीन चावल के दाने

(घ) (iv) सुविचारों तथा योगासनों द्वारा थक जाना

(ङ) (i) दिनभर परिश्रम और योगासन करने की

2. (क) माता, (ख) धर्म, (ग) वैराग्य, (घ) चावल, (ङ) आज्ञा।

3. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓।

4. (क) गोपीचन्द गुरु गोरखनाथ के उपदेश सुनकर इतने प्रभावित हुए कि उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया। गोपीचन्द मातृभक्त थे और उन्होंने माता की आज्ञा पाकर संन्यास लेने का निश्चय किया। राजा गोपीचन्द संन्यासी हो गए और देश-देश में घूमकर अलख जगाने लगे।

(ख) गुरु गोरखनाथ के उपदेश सुनकर राजा गोपीचन्द उनके शिष्य हो गए थे। राजा गोपीचन्द गुरु गोरखनाथ के उपदेशों से प्रभावित थे।

(ग) गुरु गोरखनाथ के उपदेशों से लोग इतने ज्यादा प्रभावित थे कि उनकी शिष्यता ग्रहण कर लेते थे।

(घ) गोपीचन्द की माँ की तीन आज्ञाएँ थीं—**पहली आज्ञा** यह थी कि जैसे महल में गोपीचन्द सुरक्षित होकर रहता था वैसे ही बाहर भी रहना होगा। **दूसरी आज्ञा** यह थी कि जैसे गोपीचन्द नाना प्रकार के भोजन बनवाते थे और स्वाद से खाते थे वैसे ही जंगल में भी खाना होगा। **तीसरी आज्ञा** यह थी कि जैसे महल में गोपीचन्द के पास नौकर-चाकर थे। सुन्दर झूलों में वह झूलता था। दासियाँ गीत गाती थीं और उनकी मधुर ध्वनि से वह गहरी नींद सो जाता था। उसी प्रकार वन में भी सोना पड़ेगा।

(ङ) इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि प्रत्येक व्यक्ति सुखी, सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन व्यतीत करना चाहता है। काम, क्रोध, लोभ, मोह एवं अहंकार को त्यागकर ही हम सुखी और सुरक्षित रह सकते हैं। भूखा व्यक्ति ही भोजन का आनन्द ले सकता है। गहरी निद्रा का आनन्द भी वही ले सकता है, जो शारीरिक श्रम करता हो। अत: हमें कठिन परिश्रम करना चाहिए।

5. (क) हमारे खाने का स्वाद तरह-तरह के पकवानों में नहीं होता, बल्कि भूख के लगने से होता है।

(ख) हमें अच्छी नींद नौकरों के कारण नहीं आती, बल्कि शारीरिक श्रम और थकावट के कारण आती है।

(ग) यदि हम अच्छे विचार अपनाएँगे, अच्छे लोगों के साथ सत्संग करेंगे तो हमारे आस-पास के काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार रूपी डाकू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

भाषा-बोध

6. मातृभक्त = **माता का भक्त** प्रभु-भजन = **प्रभु का भजन**
भिक्षा-पात्र = **भिक्षा का पात्र** गंगा-जल = **गंगा का जल**
योगासन = **योग + आसन** परमात्मा = **परम + आत्मा**
सत्याग्रह = **सत्य + आग्रह** शुभागमन = **शुभ + आगमन**

7. (क) खाना खा लो। (ख) पानी पी लो। (ग) छाता ले लो।

8. (क) क्या गोपीचन्द महल में रहते थे?
(ख) राजा गोपीचन्द की धर्म में गहरी रुचि थी।
(ग) अरे गोपी, तूने संन्यास ले लिया है!
(घ) क्या तू भिक्षा लेने आया है?
(ङ) हाँ, माँ! तेरा बेटा अब भिक्षुक है।

9. उद्देश्य—(क) राजा गोपीचन्द, (ख) महाराज, (ग) गोपीचन्द,
(घ) संन्यासी बनकर राजा, (ङ) गोपीचन्द की माँ।

विधेय-(क) बड़े संस्कारी थे,
(ख) मातृभक्त थे,
(ग) राज्य त्यागकर संन्यासी हो गए,
(घ) देश-देश में घूमते हुए अलख जगाने लगे।
(ङ) ने एक-एक करके चावल के तीन दाने उसके भिक्षा-पात्र में डाल दिए।

ज्ञान-बोध

❖ (i) सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए मानसिक एवं शारीरिक स्वस्थ रहना अति आवश्यक है, क्योंकि यदि हमारा शरीर और मस्तिष्क ही स्वस्थ नहीं होगा तो हम भी स्वस्थ नहीं होंगे।

❖ (ii) शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें कठोर परिश्रम करना चाहिए। परिश्रम करने में ही हमें भूख लगेगी और अच्छी नींद आएगी, जिससे हमारा शरीर व मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहेंगे।

❑

12. भारत की जलवायु

पाठ-बोध

1. (क) (ii) मौसम (ख) (i) जलवायु (ग) (iii) छह
(घ) (iii) बसंत ऋतु (ङ) (i) ग्रीष्म ऋतु।

2. (क) जल, वायु (ख) उष्ण (ग) दिसंबर, फरवरी
(घ) वर्षा, (ङ) वनस्पतियाँ।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✗, (ङ) ✓।

4. (क) भारत में छः ऋतुएँ मानी गई हैं—ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर और बसंत ऋतु।
(ख) शीत ऋतु दिसंबर से फरवरी तक होती है, इस ऋतु में लोग ऊनी वस्त्र पहनते हैं और अलाव जलाते हैं।
(ग) किसी क्षेत्र की जलवायु वहाँ की स्थिति, समुद्र से दूरी तथा समुद्रतल से ऊँचाई आदि पर आधारित होती है।
(घ) भारत के पूर्वोत्तर असम-मेघालय में अधिक वर्षा होती है तथा पश्चिम में राजस्थान आदि में कम वर्षा होती है।
(ङ) वायुमंडल में दिन-प्रतिदिन होने वाले परिवर्तन को मौसम कहते हैं, जबकि अनेक वर्षों में मापन द्वारा प्राप्त औसत स्थिति जलवायु है।

भाषा-बोध

5. (क) सामान्य, (ख) स्थिति, (ग) कम, (घ) लौटता, (ङ) वर्षा।

6. (क) (ब) ग्रीष्म ऋतु ✓ (ख) (अ) सितंबर ✓
(ग) (स) आंध्र प्रदेश ✓ (घ) (अ) प्रकृति ✓ (ङ) (ब) परिवर्तन ✓

7. ऊँचाई = **गहराई** गर्मी = **सर्दी** सामान्य = **विशेष**
हल्के = **भारी** स्थलीय = **जलीय** भिन्न = **अभिन्न**

8. जल = **पानी, नीर** वायु = **हवा, समीर** समुद्र = **सागर, अर्णव**
भूमि = **पृथ्वी, धरा।**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

13. भूल गया है क्यों इंसान?

पाठ-बोध

1. (क) (i) हरिवंश राय बच्चन, (ख) (iii) मिट्टी,
(ग) (ii) धरा, (घ) (i) अंतर-प्राण

2. सबकी **है मिट्टी की काया,**
सब पर नभ की निर्मल छाया।
यहाँ **नहीं कोई आया है, ले विशेष वरदान।**
भूल गया है क्यों इंसान?

3. (क) **पंक्तियाँ**—सबकी है मिट्टी की काया,
सब पर नभ की निर्मल छाया।
(ख) कवि ने मनुष्य को पृथ्वी की संतान बताया है और मनुष्यों ने मिलकर ही देश बनाया है, इसलिए सभी देशों में बसे हुए मनुष्य एक ही पृथ्वी की संतान हैं।
(ग) कवि ने कहा है कि अलग-अलग देश के सभी मनुष्य एक पृथ्वी की संतान होने के कारण सभी में एक जैसे प्राण हैं, वेश और रूप अलग होना सब व्यर्थ की बातें हैं।

भाषा-बोध

4. मानव = मान, मन, नाम, नव, नाव, वन आदि।

5.

उपजाऊ	धरती
उन्नत	देश
ऊँचा	आकाश
अच्छा	काया
सुंदर	आदमी

6. नभ = **आकाश, आसमान** धरती = **पृथ्वी, धरा**
काया = **शरीर, देह** इंसान = **मनुष्य, मानव।**

ज्ञान-बोध

❖ इंसान प्रकृति को भूलता जा रहा है, आज इंसान जात-पात और स्वार्थ में उलझा पड़ा है। वह यह भूल गया है कि पृथ्वी पर सभी जीव पृथ्वी की ही संतान हैं और सभी में एक समान प्राण हैं।

❑

14. छुआछूत

पाठ-बोध

1. (क) (iii) कुम्हार के घर से
(ख) (i) पण्डित जी के मन से ऊँच-नीच व छुआछूत का भाव मिटाने का
(ग) (ii) केवल सूखी रोटियाँ
(घ) (iv) ''तुमने मेरी आँखें खोल दी।''

2. (क) भेदभाव, (ख) कुसंस्कारों, (ग) बराबर, (घ) कायल, (ङ) भगवान।

3. (क) पण्डिताइन पण्डितजी के व्यवहार से दु:खी रहती थीं।
(ख) पण्डितजी पूरे कट्टरपंथी थे। पण्डिताइन बहुत समझदार महिला थीं।
(ग) पण्डिताइन ने जिस हाँडी में सब्जी बनाई थी वह कुम्हार के घर की थी। उसमें छूत होने के कारण उसने सब्जी फेंक दी और पण्ड़ितजी को सूखी रोटियाँ परोस दीं।
(घ) पण्डिताइन ने घर की सभी चीजें इसलिए फेंक दी, क्योंकि वह नीच जाति के लोगों ने बनाई थी और पण्डितजी उन्हें छूत मानकर इस्तेमाल नहीं करते थे।
(ङ) एक दिन पण्डितजी को प्यास लगी। घर में पानी नहीं था। पण्डिताइन पड़ोस से पानी ले आई। पानी पीकर पण्डितजी ने पूछा, पानी कहाँ से लाई हो? बहुत ठण्डा है। पण्डिताइन ने कहा कि पड़ोस के कुम्हार से। यह सुनते ही पण्डितजी गुस्सा हो गए।
(च) खाट को बढ़ई के लड़के ने बुना था जिस पर पण्डितजी छूत होने के कारण सोते नहीं, इसलिए पण्ड़ताइन ने खाट बढ़ई के लड़के को दे दी।

भाषा-बोध

4. (क) पेड़-पौधे, पालन-पोषण।
(ख) जाति-पाँति, लालन-पालन
(ग) बार-बार, धीरे-धीरे।

5. (क) **सुखी** = छोटा परिवार **सुखी** परिवार।
सूखी = मोहन **सूखी** रोटियाँ खा रहा था।
(ख) **कायल** = पण्डितजी पण्डिताइन की बुद्धि के **कायल** हो गए।
कोयल = **कोयल** पेड़ पर बैठी है।
(ग) **जाति**= हमें कभी भी **जाति-पाँति** के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए।
जाती= गुड़िया प्रतिदिन स्कूल **जाती** है।

6. (क) हाँडी, कुम्हार, घर, (ख) पण्डितजी (ग) पण्डिताइन, रोटियाँ, (घ) सब्जी, (ङ) हाँडी।

7. (क) बच्चे ने, बच्चे को, बच्चे से।
(ख) लड़कियों ने, लड़कियों को, लड़कियों से।
(ग) बालक ने, बालक को, बालक से।
(घ) पिता ने, पिता को, पिता से।

ज्ञान-बोध

❖ हमारे समाज में छुआछूत के अतिरिक्त बाल-विवाह, कन्या-भ्रूण हत्या, दहेज-प्रथा आदि कुरीतियाँ फैली हुई हैं। शिक्षा के माध्यम से लोगों को जागरूक करके व कड़े कानूनों का निर्माण करके इन कुरीतियों को समाप्त किया जा सकता है।

❑

15. जल-प्रदूषण

पाठ-बोध

1. (क) (iii) (i) व (ii) दोनों (ख) (iv) ये सभी
(ग) (i) जल-प्रदूषण (घ) (iii) (i) व (ii) दोनों।

2. (क) क्योंकि (ख) और (ग) इसलिए।

3. (क) हम लोग नदी और तालाबों में नहाते हैं, कपड़े धोते हैं, जानवरों को नहलाते हैं, शवों की राख डालते हैं, जिससे पानी गंदा हो जाता है। इसके अतिरिक्त नगरों में कारखानों का दूषित जल, कचरा आदि नालों से होता हुआ नदियों में बहा दिया जाता है। जल-प्रदूषण की समस्या के ये मुख्य लक्षण हैं।

(ख) लोग नदियों और तालाबों में पशुओं को नहलाते हैं, राख डालते हैं, कूड़ा-करकट डालते हैं, जिससे पानी प्रदूषित हो जाता है।

(ग) प्रदूषित जल से तरह-तरह के रोग; जैसे—पीलिया, हैजा, पेचिश आदि हो सकते हैं।

(घ) छात्र स्वयं करें।

(ङ) मैडम गाँववासियों को जल-प्रदूषण के बारे में समझाने आई थीं।

भाषा-बोध

4. (क) मैडम जी जल-प्रदूषण के बारे में बताएँगीं।
(ख) जल-प्रदूषण की समस्या प्रतिदिन बढ़ेगी।
(ग) हम लोग कूड़ा-कचरा नदी में नहीं फेंकेंगे।

5.

एकवचन	**बहुवचन**	**बहुवचन का तिर्यक प्रयोग**
नदी	नदियाँ	नदियों में
कपड़ा	कपड़े	कपड़ों को
नाला	नाले	नालों से
नारा	**नारे**	**नारों को**
तालाब	**तालाबों**	तालाबों में
जानवर	**जानवरों**	जानवरों को
शव	**शवों**	शवों को
नगर	**नगरों**	**नगरों में**

6.

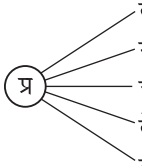

दूषण	**प्रदूषण**	**हवा, पानी, मिट्टी का दूषित होना।**
गति	**प्रगति**	**आगे की ओर बढ़ना।**
चलन	**प्रचलन**	**चलनसार होना।**
देश	**प्रदेश**	**संघ राज्य की इकाई।**
योग	**प्रयोग**	**इस्तेमाल**

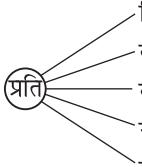

दिन	**प्रतिदिन**	**प्रत्येक दिन।**
कूल	**प्रतिकूल**	**विपरीत या विरुद्ध।**
बंध	**प्रतिबंध**	**रुकावट।**
योगिता	**प्रतियोगिता**	**प्रतिद्वंद्विता या होड़।**
व्यक्ति	**प्रतिव्यक्ति**	**प्रत्येक व्यक्ति।**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

16. सफलता का मंत्र

पाठ-बोध

1. (क) (iv) फ्रांस का, (ख) (iii) सेनाध्यक्ष के पास, (ग) (i) दक्षिण, (घ) (iii) सफेद झण्डा फहरा दिया, (ङ) (ii) बिगुल।

2. (क) निरीक्षण, (ख) हाँ, (ग) निश्चयी, (घ) आत्मविश्वास, (ङ) सन्धि, आत्मसमर्पण।

3. (क) दृढ़-निश्चय, साहस और उचित युक्ति से असम्भव कार्य को सम्भव बनाया जा सकता है।

(ख) इस पाठ का नाम सफलता का मंत्र इसलिए रखा गया, क्योंकि यह नेपोलियन के साहस की जीत थी, इस जीत के कारण वह सीढ़ी-दर-सीढ़ी उन्नति के शिखर पर चढ़ता चला गया अर्थात् साहस और दृढ़-निश्चय ही सफलता का मंत्र है।

(ग) किले में प्रवेश कर नेपोलियन ने सबसे पहले सफेद झण्डा उतारकर फ्रांसीसी झण्डा किले पर फहरा दिया।

(घ) यह कहानी नेपोलियन बोनापार्ट के विषय में बताती है।

4. (क) तोपखाने के प्रधान ने, नेपोलियन से।

(ख) नेपोलियन ने, तोपखाने के प्रधान से।

(ग) नेपोलियन ने, सेनापति से।

(घ) सेनापति ने, नेपोलियन से।

भाषा-बोध

5. सेनापति = **सेना** + **पति** = **सेना का अध्यक्ष**
राष्ट्रपति = **राष्ट्र** + **पति** = **राष्ट्र का अध्यक्ष**
सभापति = **सभा** + **पति** = **सभा का अध्यक्ष**

6. तोपची = **तोप** फ्रांसीसी = **फ्रांस**
निश्चयी = **निश्चय** विजयी = **विजय**
असम्भव = **सम्भव** सफलता = **सफल**

7. 'अ' 'ब'

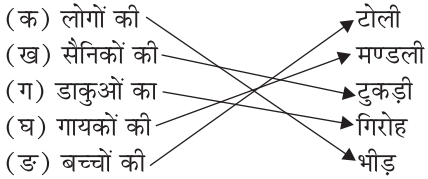

लोगों की भीड़
सैनिकों की टुकड़ी
डाकुओं का गिरोह
गायकों की मण्डली
बच्चों की टोली

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (iii) सूरमा (ख) (ii) श्यामू का साथी (ग) (i) पेड़ों से
(घ) (iii) चार्ल्स बैबेज (ङ) (ii) अपने से बड़ों का।

2. (क) दासी, भोला, साथी। (ख) रामदास, (ग) उन्नीस
(ग) पेपीरस, (ङ) पेपीरस, पेपर।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓।

4. (क) जब सवेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर में कुहराम मचा हुआ है।
(ख) कागज का आविष्कार साइलून नाम के व्यक्ति ने किया। वह चीन का निवासी था।
(ग) विद्या धन की प्राप्ति के लिए परिश्रम करना पड़ता है।
(घ) देश की उन्नति और प्रगति के लिए जनसंख्या पर अंकुश लगाना आवश्यक है।
(ङ) जनसंख्या-वृद्धि के कारण रेलों व बसों में भीड़, रहने के स्थान का अभाव, चिकित्सा सुविधाओं का अभाव तथा राशन की कमी आदि समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

5. 'अ' 'ब'

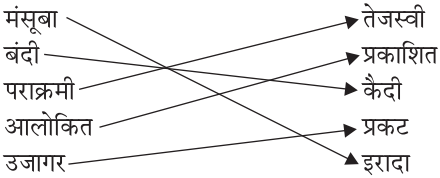

6. वृक्ष = **पेड़, विटप** समस्या = **परेशानी, दिक्कत**
उन्नति = **प्रगति, वृद्धि** क्षेत्र = **भूमि, हलका**
गुर = **नुस्खा, विधि**।

7. उद्यम = **उ + द् + य् + अ + म् + अ** डुलाए = **ड् + उ + ल् + आ + ए**
कृष्ण = **क् + ृ + ष् + ण् + अ** सुदामा = **स् + उ + द् + आ + म् + आ**
संगति = **स् + अं + ग् + अ + त् + इ**

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (i) सतियों की,
(ख) (iii) कृष्ण एक मुट्ठी चावल खाकर एक लोक का धन दे चुके थे।
(ग) (i) ग्रीष्म ऋतु, (घ) (i) जल-प्रदूषण (ङ) (ii) बिगुल

2. मुझे न जाना **गंगासागर,**
मुझे न **रामेश्वर** काशी,
तीर्थराज चित्तौड़ देखने,
को मेरी **आँखें** प्यासी।

3. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓।

4. (क) हमारे खाने का स्वाद तरह-तरह के पकवानों में नहीं होता, बल्कि अच्छी भूख लगने से होता है।
(ख) हमें अच्छी नींद नौकरों के कारण नहीं आती, बल्कि शारीरिक श्रम और थकावट के कारण आती है।
(ग) यदि हम अच्छे विचार अपनाएँगे, अच्छे लोगों के साथ सत्संग करेंगे, तो हमारे आस-पास के काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार रूपी डाकू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

5. (क) भारत में छः ऋतुएँ मानी गई हैं—ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर और बसंत ऋतु।
(ख) शीत ऋतु दिसम्बर से फरवरी तक होती है, इस ऋतु में लोग ऊनी वस्त्र पहनते हैं और अलाव जलाते हैं।
(ग) कवि ने मनुष्य को पृथ्वी की संतान बताया है और मनुष्यों ने मिलकर ही देश बनाया है, इसलिए सभी देशों में बसे हुए मनुष्य एक ही पृथ्वी की संतान हैं।
(घ) एक दिन पण्डितजी को प्यास लगी। घर में पानी नहीं था। पण्डिताइन पड़ोस से पानी ले आई। पानी पीकर पण्डितजी ने पूछा, पानी कहाँ से लाई हो? बहुत ठण्डा है। पण्डिताइन ने कहा कि पड़ोस के कुम्हार से। यह सुनते ही पण्डितजी गुस्सा हो गए।
(ङ) हम लोग नदी और तालाबों में नहाते हैं, कपड़े धोते हैं, जानवरों को नहलाते हैं, शवों की राख डालते हैं, जिससे पानी गंदा हो जाता है। इसके अतिरिक्त नगरों में कारखानों का दूषित जल, कचरा आदि नालों से होता हुआ नदियों में बहा दिया जाता है। जल-प्रदूषण की समस्या के ये मुख्य कारण हैं।

6. (क) क्या गोपीचन्द महल में रहते थे?
(ख) राजा गोपीचन्द की धर्म में गहरी रुचि थी।
(ग) अरे गोपी, तूने संन्यास ले लिया है!
(घ) क्या तू भिक्षा लेने आया है?
(ङ) हाँ, माँ! तेरा बेटा अब भिक्षुक है।

7. ऊँचाई = **गहराई** गर्मी = **सर्दी** सामान्य = **विशेष**
हल्के = **भारी** स्थलीय = **जलीय** भिन्न = **अभिन्न**

❑